<u>लोक सभा</u>

अतारांकित प्रश्न संख्या 40

17 जुलाई, 2017 को उत्तर के लिए

इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण

40. एडवोकेट जोएस जॉर्जः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार की देश के सार्वजनिक क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों के लिए आधुनिकीकरण और विस्तार संबंधी कोई योजना है;

(ख) यदि हां, तो संयंत्र-वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या इससे देश के इस्पात औद्योगिक क्षेत्र में सुधार होगा और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या इस विस्तार के परिणामस्वरूप देश में रोजगार के अवसर उत्पन्न होंगे और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

<u>उत्तर</u>

<u>इस्पात राज्य मंत्री</u> **<u>श्री विष्णु देव साय</u>**

(क) और (ख): इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र है और सरकार की भूमिका एक सुविधाप्रदाता के रूप में सीमित होती है। इस्पात संयंत्रों के आधुनिकीकरण एवं विस्तार के बारे में निर्णय वस्तुतः संबंधित कंपनियों द्वारा वाणिज्यिक सोच-विचारों और बाजार गतिशीलता के आधार पर लिए जाते हैं। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) और राष्ट्रीय इस्पात निगम लिमिटेड (आरआईएनएल), जोकि इस्पात मंत्रालय के नियंत्रणाधीन सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम हैं, ने अपने इस्पात संयंत्रों का आधुनिकीकरण एवं विस्तार आरंभ कर लिया है जैसा कि ब्यौरा नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	**संयंत्र का नाम**	**पीएसयू का नाम**	**विस्तार के पश्चात् क्षमता (एमटीपीए में)**
1.	राउरकेला इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार	सेल	4.2
2	बोकारो इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण	सेल	4.61

	एवं विस्तार		
3.	दुर्गापुर इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार	सेल	2.2
4.	इस्को इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार	सेल	2.5
5.	भिलाई इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार	सेल	7.0
6.	सेलम इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार	सेल	0.18
7.	विजाग इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण एवं विस्तार	आरआईएनएल	6.3

एमटीपीए- मिलियन टन प्रतिवर्ष

(ग): सेल और आरआईएनएल के आधुनिकीकरण एवं विस्तार तथा इस्पात उत्पादन क्षमता में परिणामी वृद्धि होने से देश में इस्पात क्षेत्र के निष्पादन में सुधार होगा। नवीनतम विकसित प्रौद्योगिकी से कम विद्युत खपत के साथ इस्पात का उत्पादन सुविधाजनक बन जाएगा।

(घ): नई क्षमताओं में वृद्धि होने और नई प्रौद्योगिकी को उपयोग में लाने से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। तथापि, इस्पात एक नियंत्रणमुक्त क्षेत्र होने के नाते रोजगार संबंधी निर्णय व्यक्तिगत इस्पात कंपनियों द्वारा लिए जाते हैं।

****